संक्षिप्त समाचार

पेयजल संकट: नलों में दूषित पानी और कम दबाव से जलापूर्ति दे रही पीड़ा

सुनेल। सुनेल कस्बे के छत्री चौक, नवलपुरा मोहल्ले में लंबे समय से बदबूदार एवं गंदा पानी नलों में आ रहा है, इसके साथ ही कई मोहल्लों में कम दबाव से नलों में पानी आ रहा है, जिससे भीषण गर्मी में पर्याप्त पानी नहीं मिल पा रहा है। पानी के लिए दर दर भटकने की मजबूर होना पड़ रहा है। इससे मोहल्लेवासी परेशान हो रहे हैं। विभाग के अधिकारियों को इस संबंध में जानकारी देने के बावजूद भी समाधान नहीं किया है। मोहल्लेवासियों का कहना है कि सुबह जब नल से पेयजल सप्लाई होती है, तब शुरू में 10 से 15 मिनट गंदा बदबूदार पानी आता है, इसके बाद धीरे-धीरे कम होता है। मोहल्ले वालों का मानना है कि जलदाय विभाग की लाइन पुरानी होने की वजह से पाइप लाइन खराब हो गई है जिससे भी नाली का पानी लीकेज हो रही हो। विभाग को जानकारी देने के बावजूद समाधान नहीं हुआ है। मोहल्ले वासियों की मांग है कि विभाग समस्या का समाधान करें।

कम दबाव से भी आता है नल

कस्बे के इमलीपुरा, नवलपुरा सहित कई मोहल्लों में कम दबाव से नलों में पानी आ रहा है, जिससे कई घरों तक तो पानी ही नहीं पहुँच पा रहा है ,जिससे मोहल्लेवासी भीषण गर्मी में पानी को तरस रहे है।

इनका कहना है

कस्बे में कम दबाव पानी आपूर्ति से पेयजल समस्या आ रही है। वहीं पाइप लाइन लीकेज के कारण नलों में दूषित पानी आ रहा है।

- जगदीश नागर, ग्रामीण

नलों में समय पर पानी नहीं आने से ग्रामीणों को दूर दराज से पानी लाना पड रहा है।

- मदन लाल, ग्रामीण

पेयजल समस्या को लेकर कई बार अवगत करवाया लेकिन समस्या का समाधान नहीं हुआ नलों में दूषित पानी आने की समस्या बनी हुई है, जिससे बीमारियों का खतरा मंडरा रहा है।

- प्रेमसिंह गुर्जर, ग्रामीण

पेयजल सप्लाई में गंदा और बदबूदार पानी आ रहा है। इस संबंध में मेरे को पहले जानकारी नहीं थी, आपके द्वारा जानकारी मिली है, इसका जल्द समाधान करेंगे और कोई जगह पेयजल लाइन लीकेज है तो उसको भी जल्द दुरुस्त करवाएंगे।

- रायसिंह गुर्जर, कनिष्ठ अभियंता जलदाय विभाग सुनेल

राजस्थान में चुनाव लड़ रहे 49 उम्मीदवार करोड़पति, 16 दागी; एडीआर ने जारी की रिपोर्ट

जयपुर। राजस्थान में दूसरे चरण के लिए 13 लोकसभा सीटों के लिए 26 अप्रैल को मतदान होगा। 13 सीटों के लिए कुल 152 उम्मीदवार मैदान में हैं। इन सभी उम्मीदवारों की ओर से दिए गए शपथ पत्रों के विश्लेषण के आधार पर एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स ने रिपोर्ट बनाई है, जिसमें बताया गया है कि कौन प्रत्याशी कितना अमीर-गरीब है और किसके खिलाफ कितने आपराधिक मामले लंबित है। रिपोर्ट के अनुसार 16 प्रतिशत प्रत्याशियों के खिलाफ आपराधिक मामले लंबित है। सर्वाधिक संपत्ति भाजपा के टोंक-सवाई माधोपुर सीट से चुनाव लड़ रहे सुखबीर सिंह जौनपुरिया के पास है। जौनपुरिया कुल 142 करोड़ रुपए की चल अचल संपत्ति के मालिक हैं, जबकि दूसरे स्थान पर कांग्रेस के चित्तौड़गढ़ से प्रत्याशी पूर्व मंत्री उदयलाल आंजना है, जिनकी संपत्ति 118 करोड़ रुपए है। तीसरे स्थान पर जोधपुर से कांग्रेस के प्रत्याशी करणसिंह उचियारडा के पास 75 करोड़ से ज्यादा की चल अचल संपत्ति है. सबसे कम संपत्ति जोधपुर से चुनाव लड़ रहीं दलित क्रांति दल की प्रत्याशी शहनाज बानो के पास सिर्फ दो हजार रुपए है।

49 उम्मीदवार करोड़पति - प्रदेश में दूसरे चरण के तहत अजमेर, बांसवाड़ा, बाड़मेर, भीलवाड़ा, चित्तौड़गढ़, जालौर, झालावाड़-बारां, जोधपुर, कोटा, पाली, राजसमंद, टोंक-सवाई माधोपुर और उदयपुर लोकसभा सीट पर 26 अप्रैल को मतदान होगा। एडीआर की रिपोर्ट के मुताबिक कुल 152 में से 49 उम्मीदवार करोड़पति हैं। कह सकते हैं कि हर तीसरा उम्मीदवार करोड़पति हैं, लेकिन ऐसे भी कई उम्मीदवार है जिनके पास सिर्फ हजारों में ही नकद राशि है।

उम्मीदवारों के पास न घर न जमीन - 152 प्रत्याशियों में कई ऐसे प्रत्याशी हैं, जिन्होंने शपथ पत्र में शून्य अचल संपत्ति बताई है। इनके पास न घर है न जमीन किराए के मकान में रहते हैं। इनमें सबसे कम चल संपत्ति जोधपुर की शहनाज बानो के पास दो हजार रुपए ही है। अचल संपत्ति शून्य है। भीलवाड़ा के निर्दलीय नारायण लाल के पास दस हजार रुपए नकद है लेकिन अचल संपत्ति शून्य है। बांसवाड़ा के निर्दलीय प्रत्याशी राजकुमार पुत्र हीरालाल के पास चल संपत्ति के रूप में 11,500 रुपए हैं, इनके पास भी अचल संपत्ति शून्य है।

16 उम्मीदवारों के खिलाफ गंभीर आपराधिक मामला - एडीआर की रिपोर्ट के अनुसार कुल 152 उम्मीदवारों में 16 प्रतिशत यानी 25 उम्मीदवारों ने अपने खिलाफ अपाराधिक मामले होने की जानकारी दी है। इनमें भाजपा व कांग्रेस के तीन-तीन प्रत्याशी हैं। इनके अलावा अन्य दलों के 9 व दस निर्दलीय प्रत्याशी हैं। 11 प्रतिशत यानी 16 प्रत्याशियों ने अपने खिलाफ गंभीर प्रकार के आपराधिक मामले होने की जानकारी दी हैं। इनमें सर्वाधिक कांग्रेस के तीन उम्मीदवार हैं। शेष 13 में से 7 निर्दलीय व शेष छह उम्मीदवार अन्य दलों के हैं। भाजपा के एक भी उम्मीदवार के खिलाफ गंभीर अपराधिक मामला नहीं चल रहा है।

दूसरे चरण के मतदान से पहले वसुंधरा राजे ने खेला इमोशनल कार्ड

जयपुर। राजस्थान की पूर्व सीएम वसुंधरा राजे ने सिंधिया ने कहा-पहले चरण के बाद बहुत सारे लोग फ्री हो गए हैं। अब वे हमारे झालावाड़-बारां परिवार में घुसपेठ करना चाहेंगे। वे हरा तो नहीं सकते लेकिन जीत का अंतर कम करने का प्रयास करेंगे। ऐसे लोगों से सतर्क रहना है। आज चौमहला व सिलेगढ़ में भाजपा प्रत्याशी दुष्यंत सिंह के समर्थन में आयोजित कार्यकर्ता सम्मेलन में परिवारबंधुओं से संवाद किया। भाजपा कार्यकर्ता महान है। इन्होंने बिना किसी स्वार्थ के पार्टी को खड़ा किया है। मेरा हमेशा से ही यह सिद्धांत रहा है कि जो भी काम करो कार्यकर्ताओं से पूछ कर ही करो।कार्यकर्ताओं की राय से करो।

यही कारण है कि आज कोई कितनी ही कोशिश करले चट्टान की तरह, 36 साल से साथ खड़े झलावाड़-बारां परिवार में कोई दीवार खड़ी नहीं कर सकता। यह क्षेत्र एक परिवार है जिसके सपनों को हमने पूरा करने का प्रयास किया है।आज यहाँ से ऐसी 8 लेन, 6 लेन और 4 लेन सड़के गुजर रही है कि फ़र्राटे से चलने पर पेट का पानी तक नहीं हिलता। मतदान के दिन सावे भी हैं, इसलिए मतदान के लिए समय निकाले और भाजपा प्रत्याशी के पक्ष में, बैलट नंबर 3 पर बटन दबाकर रिकॉर्ड मतदान करें, ताकि इस क्षेत्र में विकास का यह रथ और तेज गति से दौड़े।

उल्लेखनीय है कि झालावाड़ से वसुंधरा राजे के बेटे दुष्यंत सिंह चुनाव लड़ रहे है। जबकि उनके सामने पूर्व मंत्री प्रमोद जैन भाया की पत्नी चुनाव लड़ रही है। कड़ी चुनौती इस बार मिल रही है। ऐसे में दूसरे चरण के मतदान से पहले वसुँधरा राजे ने इमोशनल कार्ड खेला है।

दूसरे फेज की सीटों में कांग्रेस दलित-अल्पसंख्यकों तक पहुंचने में जुटी

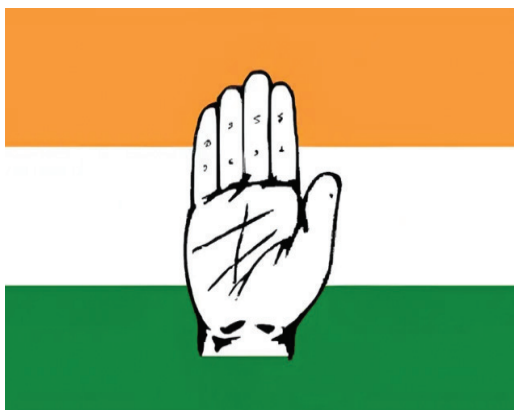

जयपुर। लोकसभा चुनाव के तहत राजस्थान में कांग्रेस ने दूसरे फेज की 13 सीटों पर कमर कसते हुए कुछ सीटों पर दलित, अन्य पिछड़ा वर्ग और अल्पसंख्यक नेताओं को जिम्मेदारी सौंपी है। पहले फेज में कुछ सीटों पर मिले फीडबैक के बाद आलाकमान स्तर से नेताओं को लेकर प्रदेश कांग्रेस को निर्देश मिले हैं। राजस्थान में लोकसभा चुनाव की 25 सीटों पर जीत की रणनीति बनाने के लिए कांग्रेस आलाकमान भी अपने स्तर पर पहले से अधिक सक्रिय हो गया है। लोकसभा प्रभारियों के माध्यम से सभी सीटों पर कांग्रेस मुख्यालय स्तर से लगातार देखरेख की जा रही है। फीडबैक रिपोर्ट के आधार पर प्रदेश कांग्रेस को भी कई चुनावी गतिविधियों के बारे में जरूरी सुझाव भिजवाए जा रहे हैं। राजस्थान में पहले फेज की 12 सीटों पर आज मतदान होगा। कांग्रेस आलाकमान को पहले फेज की सीटों पर प्रचार प्रसार के दौरान कई सीटों पर नेताओं और कार्यकर्ताओं की गुटबाजी से चुनाव प्रभावित होने की सूचनाएं मिलीं। जयपुर शहर, जयपुर ग्रामीण, बीकानेर, चूरू, अलवर और दौसा जैसी सीटों पर गुटबाजी के चलते कांग्रेस के परंपरागत वोट बैंक में सेंधमारी की सूचनाओं ने आलाकमान की चिंता बढाई। आलाकमान स्तर से देखरेख कर रहे नेताओं ने इन सूचनाओं के आधार पर इन सीटों पर मोर्चा संभाल रहे नेताओं को कई सुझाव दिए थे।

दूसरे फेज में निष्क्रिय रहे नेताओं को मिलेगा नोटिस

पहले फेज के सीटों की पहुंची फीडबैक रिपोर्ट में कई नेताओं और कार्यकर्ताओं के अंदरूनी तौर पर निष्क्रिय रहने और केवल बाहरी तौर पर समर्थन करने की खबरें मिली थी। फिलहाल ऐसे नेताओं की लिस्ट तैयार की गई है,लेकिन अभी कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है, क्योंकि इससे दूसरे फेज के चुनावों पर असर पड़ सकता है। अब दूसरे फेज की 13 सीटों पर पार्टी कोई भीतरघात नहीं झेलना चाहती है। इसलिए लोकसभा प्रभारियों के माध्यम से इन क्षेत्रों में जिम्मेदारी संभाल रहे स्टार प्रचारकों और दिग्गज नेताओं को कमान संभालने और कमजोर पहलुओं को दूर करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

इन बड़े नेताओं को दिए टास्क

आलाकमान स्तर से खासतौर पर डूंगरपुर-बांसवाड़ा, बाड़मेर, कोटा, जालोर, टोंक-सवाईमाधोपुर जैसी सीटों पर भीतरघात की सूचनाओं से बड़े नेताओं को अवगत कराया है। प्रदेश प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा और पीसीसी चीफ गोविन्द सिंह डोटासरा से भी इन सीटों के बारे में लगातार फीडबैक लिया जा रहा है। स्टार प्रचारकों में पूर्व सीएम अशोक गहलोत, कांग्रेस महासचिव सचिन पायलट सहित कई नेताओं को विशेष जिम्मेदारी सौंपी गई है, ताकि मतदान से पहले सभी नेताओं और कार्यकर्ताओं को एकजुट किया जा सके।

कांग्रेस ने भ्रष्टाचार का दीमक फैलाकर देश को किया खोखला, इन्हीं पापों की मिल रही है सजा : मोदी

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कांग्रेस पर परिवारवाद और भ्रष्टाचार का दीमक फैलाकर देश को खोखला कर देने का आरोप लगाते हुए कहा है कि देश उसे इन्हीं पापों की सजा दे रहा है। मोदी राजस्थान में जालौर के भीनमाल में जालौर-सिरोही लोकसभा क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) प्रत्याशी लुंबाराम चौधरी के समर्थन में आयोजित जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जिस पार्टी के कभी 400 सांसद जीते थे, वो 300 सीट पर चुनाव नहीं लड़ पा रही है। कांग्रेस की हालत यह है ?कि उन्हें उम्मीदवार नहीं मिल पा रहे हैं। कांग्रेस पार्टी की जो हालत हुई है, उसकी गुनहगार वो खुद है। कांग्रेस ने देश पर 60 वर्षों तक राज किया। इसी कांग्रेस ने हमारी माताओं-बहनों को शौचालय, गैस, बिजली, पानी, बैंक अकाउंट जैसी छोटी-छोटी चीजों के लिए तरसाया। उन्होंने कहा कि इसी कांग्रेस ने परिवारवाद और भ्रष्टाचार का दीमक फैलाकर देश को खोखला कर दिया। इन्हीं पापों की सजा देश उनको दे रहा है। मोदी ने कहा कि कांग्रेस की कमजोर सरकार को आते-जाते लोग भी धमकाते थे, हर कोई देश को लूटने में जुटा था। प्रधानमंत्री को तो कोई पूछता ही नहीं था, सरकार रिमोट कंट्रोल से चला करती थी। कैबिनेट से पास हुए अध्यादेश को उनकी पार्टी के ही एक नेता मीडिया की मीटिंग बुला कर फाड़ कर फेंक देते हैं।

प्रधानमंत्री ने सवाल करते हुए कहा कि अस्थिरता की प्रतीक कांग्रेस पार्टी और उनका कुनबा, देश को चला सकता है क्या। उन्होंने कहा कि इन्होंने अवसरवादी इंडी अलायंस बना लिया है, जिसकी पतंग उड़ने से पहले ही कट गई है। मोदी ने कहा कि पहले चरण के मतदान में आधे राजस्थान ने कांग्रेस को बराबर की सजा दी है। राष्ट्रभक्ति से ओत-प्रोत राजस्थान यह जानता है कि कांग्रेस कभी भी मजबूत भारत बना ही नहीं सकती। उन्होंने कहा कि देश को ऐसी कांग्रेस सरकार नहीं चाहिए। देश को 2014 के पहले जो हालात थे, वो हालात दोबारा नहीं चाहिए। उन्होंने भाजपा और जालोर सिरोही का रिश्ता बहुत खास बताते हुए कहा कि आपने हर बार भाजपा को भरपूर आशीर्वाद दिया है और इस बार भी जालोर सिरोही यही कह रहा है- फिर एक बार मोदी सरकार। उन्होंने कहा कि राजस्थान में पांच वर्ष तक जो कांग्रेस की सरकार थी उसने पानी की योजना में भी स्कैम किया, जबकि हम हर घर पानी पहुंचाने का काम कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने 13 सीटों के चुनाव प्रचार में झोंकी ताकत, सरकार की पहली सियासी परीक्षा में नहीं छोड़ना चाहते कोई कमी कसर

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राज्य में दूसरे चरण की 13 लोकसभा सीटों पर होने वाले चुनाव में पूरी ताकत झोंक दी है। मुख्यमंत्री हर लोकसभा क्षेत्र में रात्रि विश्राम कर कार्यकर्ताओं के साथ सियासी समीकरण बिठाने में लगे हैं। भजनलाल सरकार की यह पहली सियासी परीक्षा है, जिसमें मुख्यमंत्री किसी तरह की कोई कोर कसर नहीं छोड़ना चाहते हैं। मुख्यमंत्री के आज सोमवार को भी अजमेर और कोटा बूंदी लोकसभा सीट पर चुनाव प्रचार को लेकर कई कार्यक्रम तय है। सीएम सुबह 11 जयपुर से किशनगढ़ के लिए होंगे। वहां पर 12:30 बजे तक कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित करेंगे। इसके बाद किशनगढ़ मार्बल एसोसिएशन सभागार में सम्मेलन में शामिल होंगे। दोपहर 12:40 बजे किशनगढ़ से अजमेर के लिए रवाना होंगे, वहां पर दोपहर 1:05 बजे से 1:50 बजे सामाजिक संवाद कार्यक्रम में शामिल होंगे, यह कार्यक्रम डॉ. भीमराव अंबेडकर सभागार, मेडिकल कॉलेज अजमेर में आयोजित होगा। दोपहर 2:05 बजे बूंदी रवाना होंगे, वहां पहुंच कर दोपहर 3 बजे से 4:30 बजे तक आजाद पार्क बूंदी में कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित करेंगे। शाम 4:30 बजे बूंदी से सीएम कोटा के लिए रखाना होंगे, शाम 5 बजे से 7 बजे तक स्थानीय कार्यक्रम, शुभम रिसोर्ट, देवली अरब रोड, कोटा कार्यकर्ता बैठक लेंगे। मुख्यमंत्री रात्रि विश्राम कोटा में करेंगे।

चुनाव राजनैतिक कार्यकर्ताओं की मुख्य परीक्षा, भाजपा अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति के लिए करती है काम : मुख्यमंत्री

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति के लिए काम करती है। उन्होंने भाजपा कार्यकर्ताओं का आह्वान किया कि उन्हें जनता का विश्वास जीतना है तथा जनता में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करनी है क्योंकि चुनाव राजनैतिक कार्यकर्ताओं की सबसे बड़ी परीक्षा होती है। उन्होंने कहा कि बीजेपी में कोई भी मैसेज 15 मिनिट में हर स्तर के कार्यकर्ता तक पहुंचकर उस पर कार्यवाही भी शुरू हो जाती है, ऐसा सिस्टम केवल भाजपा के पास ही है। शर्मा सोमवार को लोकसभा चुनाव के रण में मार्बल एसोसिएशन, किशनगढ़ के सभागार में भाजपा कार्यकर्ता सम्मेलन को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 2014 के बाद राजनैतिक दलों और राजनेताओं की तुष्टिकरण, भ्रष्टाचार और लूट-झूठ की राजनीति को बदलने पर मजबूर कर दिया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सिर्फ गरीबी हटाओ का नारा देती थी, जबकि गरीब कल्याण से उनका कोई सरोकार नहीं है। प्रधानमंत्री जी ने देश के विकास के साथ गरीब कल्याण एवं सीमा सुरक्षा सहित हर क्षेत्र में अभूतपूर्व कार्य किए हैं। मोदी जी ने वर्ष 2014 और वर्ष 2019 में किए वादों को पूरा किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार ईआरसीपी के द्वारा पूर्वी राजस्थान के 21 जिलों में पानी पहुंचाने का काम कर रही है। ईआरसीपी के माध्यम से इन जिलों में पेयजल के साथ 2 लाख 80 हजार हैक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई भी होगी। गत कांग्रेस सरकार द्वारा ईआरसीपी पर अटकाने, लटकाने तथा भटकाने का काम किया गया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में केन्द्र सरकार, हरियाणा सरकार और राजस्थान सरकार द्वारा 30 साल से लंबित ऐतिहासिक यमुना जल समझौता किया गया। इसके माध्यम से राजस्थान को अपने हिस्से का पूरा पानी मिलेगा। शर्मा ने कहा कि पेपरलीक को रोकने के लिए हमारी सरकार के गठन के तुरंत बाद ही एसआईटी का गठन किया गया तथा एसआईटी ने इन प्रकरणों पर त्वरित कार्रवाई कर 97 लोगों को गिरफ्तार किया है। उन्होंने कहा कि राज्य संविधान से चलता है तथा ऐसी गतिविधियों में लिप्त पाए जाने वाले बड़े से बड़े व्यक्ति को किसी भी कीमत पर बक्शा नहीं जाएगा।

अमली जामा नहीं पहन पा रही जीवन रक्षक योजना

दीगोद। राज्य सरकार ने गुड सेमेरिटन को कानूनी पेचीदगियों से बचाने के अलावा सम्मान स्वरूप 5000 रुपए व प्रशस्ति पत्र देने का प्रावधान किया है। ताकि लोग सड़क दुर्घटना में घायल की बिना किसी डर के तत्काल मदद कर उनकी जान बचाने में मददगार बन सकें। इसके लिए परिवहन विभाग ने सड़क सुरक्षा को लेकर अधिसूचना भी जारी की है। लेकिन संबंधित विभाग के अधिकारी और कर्मचारी इस मामले में रुचि नहीं ले रहे हैं। अभी तक स्थानीय पुलिस और मेडिकल अधिकारियों ने ऐसे किसी भी व्यक्ति को आज तक पुरस्कृत नहीं किया है। जबकि सड़क दुर्घटना में कई मामले क्षेत्र में हो चुके हैं और लोगों ने उन्हें अस्पताल तक पहुंचाया है। इसके बावजूद भी सरकार की योजना का लाभ लोगों को नहीं मिलने का कारण क्षेत्र के अधिकारियों की शिथिलता को दर्शाता है। जानकारी के मुताबिक सरकार ने जीवन रक्षक योजना की शुरूआत की है। इसके तहत प्रदेश में सड़क दुर्घटनाओं में गंभीर घायल व्यक्ति को कम से कम समय में अस्पताल पहुंचने वाले व्यक्ति को 5000 रुपए का इनाम देने के साथ ही उसे सम्मानित भी किया जाएगा। इस योजना के क्रियान्वयन के लिए वित्त विभाग की सभी प्रक्रियाएं पूरी हो चुकी हैं। इस योजना के तहत सरकारी एंबुलेंस, निजी एंबुलेंस के कर्मचारी, पीसीआर वेन और ड्यूटी पर तैनात पुलिस कर्मी तथा घायल व्यक्ति के रिश्तेदारों को मुख्यमंत्री चिरंजीवी जीवन रक्षा कोष योजना का लाभ नहीं दिया जाएगा। हालांकि प्रदेश में कुछ समय पहले ऐसे लोगों को पुरस्कृत कर सम्मानित भी किया गया है।

गंभीर घायल की मेडिकल अधिकारी को दें जानकारी

जीवन रक्षक योजना को सफल बनाने के लिए सड़क सुरक्षा कोष से जन स्वास्थ्य विभाग के निदेशक को प्रदेश में पूर्व में 5 करोड़ रुपए की राशि आवंटित की गई थी। गंभीर घायल व्यक्ति को अस्पताल पहुंचने वाला व्यक्ति अगर अपनी पहचान बताने और योजना का लाभ लेने के लिए तैयार है तो उसे नाम, पता और मोबाइल नंबर जैसी कुछ सामान्य जानकारी अस्पताल के इमरजेंसी रूप में कार्यरत मेडिकल अधिकारी को देनी होगी। अगर घायल व्यक्ति गंभीर श्रेणी का है तो मदद करने वाले को 5000 का पुरस्कार और प्रशस्ति पत्र दिया जाएगा।

योजना का करें प्रचार-प्रसार

दुर्घटना में घायल व्यक्ति की मदद करने वाले व्यक्ति को प्रोत्साहन राशि और प्रशस्ति पत्र देने की योजना का प्रचार-प्रसार नहीं होने के कारण लोगों में जागरुकता नहीं आ सकी है। अभी भी कार्यवाही के नाम पर डरते हैं। ऐसे में जरूरत है कि अधिकारियों को इस ओर ध्यान देकर इस योजना का प्रचार-प्रसार करना चाहिए। जिससे निश्चित तौर पर लोगों की मदद होगी।

- हेमराज गोचर, दीगोद

लोग आने लगे हैं मदद को

लंबे समय से सुनते आ रहे थे कि अगर किसी घायल व्यक्ति को अस्पताल पहुंचाते हैं तो पुलिस की कार्रवाई से गुजरना पड़ता है। कई बार पुलिस मदद करने वाले को भी गुनहगार बना देती है। लेकिन सरकार ने जब से प्रोत्साहन राशि और प्रशस्ति पत्र देने वाली योजना लाई है, तब से लोग मदद को आगे आने लगे हैं।

- हरिओम मीना, हरिपुरा

मददगारों पर नहीं डाला जाएगा कोई दबाव

जीवन रक्षक योजना के तहत यदि कोई व्यक्ति सड़क दुर्घटना में घायल को अस्पताल पहुंचाता है तो उसे जानकारी नोट करवाने के बाद तुरंत ही अस्पताल से जाने दिया जाएगा। ज्यादा पूछताछ नहीं की जाएगी। सड़क दुर्घटनाओं में लोग गंभीर घायल होते हैं और अक्सर लोग कानूनी कार्यवाही के डर से सहायता करने से कतराते हैं तथा घायलों को अस्पताल नहीं पहुंचाते। इस वजह से घायलों को समय पर चिकित्सा सहायता नहीं मिल पाती। जबकि घायल के लिए शुरूआती समय सबसे महत्वपूर्ण होता है। उन्होंने बताया की यदि घायल की सहायता करने वाले मददगारों की संख्या एक से ज्यादा है तो सबको पुरस्कार दिया जाएगा।

- डॉ. राजेश सामर, बीसीएमओ सुल्तानपुर